ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 30-06-2023

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-06-30 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-07-01	2023-07-02	2023-07-03	2023-07-04	2023-07-05
वर्षा (मिमी)	10.0	2.0	1.0	5.0	20.0
अधिकतम तापमान(से.)	35.0	34.0	36.0	37.0	35.0
न्यूनतम तापमान(से.)	23.0	23.0	24.0	23.0	22.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	85	85	80	85	90
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	45	45	30	40	55
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	14	8	8	10	16
पवन दिशा (डिग्री)	110	110	90	90	110
क्लाउड कवर (ओक्टा)	8	7	4	7	7

मौसम सारांश / चेतावनी:

पिछले सात दिनों (जून) में, 78. 4 मिमी बारिश दर्ज की गई। अधिकतम और न्यूनतम तापमान 28. 6 डिग्री सेल्सियस से लेकर 36. 0 डिग्री सेल्सियस तक रहा । अधिकांश दिनों में आसमान में बादल छाए रहे, सुबह की सापेक्ष आर्द्रता 1412 बजे 70 -98 % तथा शाम की सापेक्ष आर्द्रता 0712 बजे 51-85 % के बीच रही। हवा की गति 2.4-7.1 के बीच रही और अधिकतर हवा की दिशा उत्तर और उत्तर-उत्तर-पूर्व की तरफ रही । आगामी पांच दिनों का पूर्वानुमान 30.06.2023 से 04.07.2023 तक हल्की से मध्यम बारिश का संकेत दे रहा है जो 1-20 मिमी के बीच होने की सम्भावना है । अधिकतम और न्यूनतम तापमान 34-37 डिग्री सेल्सियस और 22-24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा । इस अवधि के दौरान हवा की गति 8-16 किमी प्रति घंटे के बीच रहेगी और दिशा मुख्यतः पूर्व होगी। 30.06.2023 से जारी सभी चार दिनों में अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/आंधी की संभावना रहेगी ।

सामान्य सलाहकार:

23/06/2023 से 06/07/2023 तक दिए गए विस्तारित रेंज पूर्वानुमान के अनुसार उत्तराखंड जिले के लिए सामान्य वर्षा देखी गई जो -2 से -16% के बीच विचलन करेगी जबकि भारत मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त मिश्रित एनडीवीआई से संकेत मिलता है कि एनडीवीआई की सीमा 0.2-0.3 के बीच है जो जिले में मध्यम कृषि शक्ति का प्रतीक है। जैसे बरसात का मौसम है आने वाले किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम का पूर्वानुमान जानने के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें और कृषि मौसम संबंधी सलाह और बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए "दामिनी ऐप"। मेघदूत और दामिनी ऐप्स को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (iOS उपयोगकर्ता) से डाउनलोड किया जा सकता है। यह करने से उपयुक्त कृषि गतिविधियों के लिए सही निर्णय लेने में उनकी मदद होगी। मानसून आने वाला है उत्तराखंड में वर्षा ऋतू आने वाली है इसलिए पहली बारिश में जानवरों को भीगने न दें क्यूंकि यह त्वचा समबन्धी बिमारियों को न्योता देती ।

लघु संदेश सलाहकार:

30.06.2023 से जारी सभी पांच दिनों में अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/तूफान आने की संभावना है, इसलिए खेती के सभी कार्य सावधानी से किए जाने चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	धान की पौध मे 4-5 पत्ती हो जाये तो इनकी रोपाई कर सकते है। यह अवस्था जल्दी पकने वाली प्रजातियों मे 18 दिन बाद तथा मध्यम अविध की प्रजातियों मे 20-25 दिन बाद पर आती है। धान की पौधशाला मे पौध उखाड़ने से 24 घंटा पहले 4-6 सेमी0 पानी भरना चिाहए। एक-एक पौध को सावधानी से उखाड़े तथा जड़ की धुलाई कर उसकी तुरंत रोपाई करे। खेत मे कीचड़ बनाना शुरू करने से 15 दिन पहले खेत की सिंचाई करें ताकि खरपतवारो का जमाव हो जाये। फिर खेत मे कीचड़ बनाने से 10-12 घंटा पहले पानी भर कर ट्रेक्टर में केज फ्यूल तथा खूटी दार हैरो से 2-3 बार जुताई करे। पाटा लगाकर खेत को समतल करे। लेवल लगाने के 10-15 घंटे बाद रोपाई कर। रोपाई के दौरान लाइन से लाइन की दूरी 20 सेमी और पौधे से पौधे की दूरी 10 सेमी या दोनों तरफ की दूरी 15 सेमी रखनी चाहिए। एक पहाड़ी पर 2-3 पौधे रोपने चाहिए। पौधों को 2-3 सेमी गहराई पर लगाना चाहिए।
मक्का	ख़रीफ़ मक्का: बुआई ख़रीफ़ मक्के की बुआई समाप्त कर ले। कृषि गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।
सोयाबीन	स्टेज :बुआई सोयाबीन की बुवाई का भावर एवं तराई में उपयुक्त समय जून के अंतिम सप्ताह से जुलाई प्रथम सप्ताह तक है। सोयाबीन की उन्नत प्रजातियों पी एस- 1024, पी एस- 1042, पी एस- 1092, पी एस 1241, पी एस 1347, पी एस 1225, पी एस 19 आदि का प्रयोग करें। बीज दर 75किग्रा/है0 रखें। बीज को राइजोबियम कल्चर से उपचारित करें।
मूँगफली	स्टेज :बुआई मूँगफली की अच्छी उपज के लिए उर्वकों का प्रयोग आवश्यक है पर यह परिक्षण के आधार पर उपयोग करना चाहिए। यदि परिक्षण न किया गया हो तो नत्रजन 20 किग्रा0, फास्फोरस 40 किग्रा0 और पोटाश 45 किग्रा0/है0 तथा 200 किग्रा0 (आधी मात्रा) जिप्सम व 4 किग्रा0 बोरेक्स का प्रयोग करे। यह मात्रा बुवाई के समय बीज से लगभग 2 -3 से मी गहराई में डालना चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
कद्दू	स्टेज: तुड़ाई कद्दु वर्गीय फसलों की पत्तियो पर अनियमित आकार में पीले धब्बे दिखाई पड़ने पर पत्तियो को उलटकर निरीक्षण करें यदि निचली सतह पर हल्के धूसक रंग की फॅफूदी की बढ़वार दिखाई दे तो नियत्रंण के लिए मेन्कोजेब 2.5 ग्रा0/ली0 की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। रसायनों का छिड़काव मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करें।
हल्दी	स्टेज : रोपण खरपतवार निकालने तथा खाद देने के बाद पौधे के आस पास मिटटी चढ़ाना जरूरी है ताकि प्रकंदो का विकास भली भांति हो सके और वह सूर्य के प्रकाश से बचें रहे। खरपतवार की समस्या भली भांति बिछाई पलवार में नहीं आती है। बारिश के मौसम में आवश्यकता अनुसार सिंचाई देनी चाहिए।
अदरक	स्टेज : रोपण अदरक की खेती खुले वातावरण की अपेक्षा 25-50 % आंशिक छाँव में करने पर गुढ़वत्ता तथा उपज में वृद्धि होती है ।
मिर्च	स्टेज: तुड़ाई मिर्च में थ्रिप्स के नियंत्रण हेतु लैम्डा साइहैलोथ्रिन 5 इसी 300मि0ली0/है0 या फिप्रोनिल 5 एस0सी0 1लीटर/है0 की दर से छिड़काव के सात दिन बाद ही मिर्च का प्रयोग करें। रसायनों का छिड़काव मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करें।
टमाटर	चरण: तुड़ाई किसानों को पकी हुई टमाटर की फसल की तुड़ाई करनी चाहिए। वर्षा के बाद रोग लगने की संभावना रहती है इसलिए संक्रमित पौधों को नष्ट कर दें और रस-चूसने वाले कीड़ों को नियंत्रित करने के लिए सर्वद्देशीय कीटनाशकों का छिड़काव करें। झुलसा रोग के प्रकोप से बचाव के लिए मैंकोजेब 2.5 ग्राम/लीटर या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्राम/लीटर को पानी में घोलें और छिड़काव करें। किसान भाइ ध्यान रखें कि छिड़काव मौसम के पूर्वानुमान को देखते हुए करना चाहिए।

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
भिण्डी	स्टेज: तुड़ाई किसानों को पहले से ही पका हुए ओकरा की मौसम के पूर्वानुमान के अनुसार तुड़ाई करनी चाहिए। बारिश के बाद सफेद मक्खी का प्रकोप होने की संभावना रहती है जो मोज़ेक वायरस फैलाते हैं इसलिए किसानों को इन पर ध्यान देना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओ को संक्रामक रोग से बचाने हेतु टीकाकरण करवायें। मानसून के प्रारम्भ में अचानक तेज घूप व तेज वर्षा से पशुओं को बचायें क्योंकिक्यों क्यों इसकी वजह से त्वचा में जलन जैसा विकार उत्पन्न हो जाता है। इस ऋतुओं में कृमियों का प्रकोप बढ़ जाता है और इससे बचने के लिए कृमिनाशक का उपयोग निकटतम पशु चिकित्सक की सहायता से करें।
भेंस	पशुओ को संक्रामक रोग से बचाने हेतु टीकाकरण करवायें। मानसून के प्रारम्भ में अचानक तेज घूप व तेज वर्षा से पशुओं को बचायें क्योंकिक्यों क्यों इसकी वजह से त्वचा में जलन जैसा विकार उत्पन्न हो जाता है। इस ऋतुओं में कृमियों का प्रकोप बढ़ जाता है और इससे बचने के लिए कृमिनाशक का उपयोग निकटतम पशु चिकित्सक की सहायता से करें।